संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर

एवं

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

कृषि मौसम सलाह सेवाएँ

(Project sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

0771-2442557

Patron: Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. J.S. Urkurkar* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, Dr.V.K.Dubey
Horticulture-Dr. H.G. Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. G.L.Sharma, Dr,Gaurav sharma
Agronomy - Dr. H.L. Sonboir, Dr. D. Chandrakar **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.R.K.Naik ,**SWE**-Er.Dhiraj Khalkho

वर्ष: 26, क्रमांक:76 **दिनांक 22.09.2017**

मौसमपूर्वानुमान:(कांकेर जिले के लिए)-

DISTRICT	DATE	Rainfall	Max temp	Min Temp	Cloud	Max RH	Min RH	Wind	
								Speed	Direction
KANKER	23.09.2017	0	32	25	5	93	80	3	S
KANKER	24.09.2017	0	33	26	4	90	75	4	SW
KANKER	25.09.2017	3	33	26	4	92	75	4	SW
KANKER	26.09.2017	0	33	26	4	90	75	4	W
KANKER	27.09.2017	0	32	25	5	90	75	4	SW

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. पीला तना छेदक के वयस्क कीट खेतों में दिखाई देनें पर अंड समूह समेत पत्ती को अलग कर नष्ट करें । जहाँ पर डेड हार्ट बना हैं उसे खीचकर अलग कर दें ताकि अंदर उपस्थित इल्ली परजीवीकृत होकर नष्ट हो जायें।
2. धान में तना छेदक कीट की निगरानी के लिए फिरोमेन ट्रेप 2-3 प्रति एकड़ का उपयोग करें एवं प्रकोप पाये जाने पर 8-10 फिरोमेन ट्रेप का उपयोग नियंत्रण के लिए करें।
3. धान की फसल में माहू एवं तनाछेदक कीटों के लिए खेत में फसल की सतत निगरानी करें।
4. जहां धान की फसल 70 प्रतिशत से ज्यादा खराब हो वहां रबी मौसम हेतु कार्य योजना बनाये तथा चना, गेहूँ, अलसी, तोरिया, मक्का, सब्जी, मूंग, उड़द, एवं चारे वाली फसल हेतु बीज, खाद एवं अन्य कृषि आदानो की उपलब्धता आवश्यकतानुसार सुनिश्चित करे एवं अक्टूबर माह में सुविधा अनुसार रबी फसल की तत्काल बुवाई करें। इस हेतु शासन से प्राप्त अनुदानों/सुविधाओं का लाभ उठाये।
5. दलहनी तिलहनी फसलों में निंदा नियंत्रण करना लाभदायक होगा।

फल एवं सब्जी

1. भटा-मिर्च टमाटर में टपक सिंचाई विधि से उर्वरक जैसे 19:19:19 का निर्धारण कर फ्रटीगेट करें।
2. गोभीवर्गीय सब्जियों के साथ साथ शलजम-गाजर हेतु उपयुक्त किस्म का चयन कर थरहा एवं बीज बोनी करें।

3. अनार, अंजीर की कटिंग कर प्रवर्धन करने का यह उपयुक्त समय हैं।
4. कद्दूवर्गीय सब्जियों विशेषकर परवल में फल सडन एवं सूखने की समस्या से बचाव हेतु खेतों में सफाई का ध्यान रखें और मेटालेक्सील + मैंन्कोजेब को 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कापर आक्सिक्लोराइड (COC) 4 ग्राम प्रति लीटर की हिसाब से छिड़काव करें।
5. पपीते में फल झडन को रोकने हेतु 20 पी.पी.एम की दर से नैफ्थलिन एसीटीक एसीड (एन.ए.ए.) का छिड़काव करें।

<u>पशुपालन</u>

1. यदि गहरी बिछावन (डीप लिटर) पद्धति से मुर्गीपालन कर रहे हों तो बारिश के समय सप्ताह में दो से तीन बार बिछावन को उलट पुलट करें, सीलन युक्त बिछावन को निकालकर फेक दें।
2. सीलन से बचाव हेतु बिछावन पर 2-3 किलो प्रति वर्गफुट की दर से बुझा चूना मिला दें।
3. पशुबाड़े एवं मुर्गीघरों में दिन के समय पंखा चलाकर रखें ताकि सीलानयुक्त हवा बाहर निकलती रहे एवं उमस वाला वातावरण न हो।